

PAPER-III
COMPARATIVE STUDY OF RELIGIONS

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

D 6 2 1 0

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**

4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

COMPARATIVE STUDY OF RELIGIONS

धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I

खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस (20)** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Write an essay on the Bhakti and social reform movement in Hinduism.
हिन्दू धर्म में भक्ति एवं समाज सुधार आन्दोलन पर एक निबन्ध लिखिए ।

OR / अथवा

Throw light in detail on the code of conduct of life of Jain Monks.
जैन साधुओं के जीवन की आचार-संहिता पर विस्तार से प्रकाश डालिए ।

OR / अथवा

How has the Buddha defined the term 'Dukkha' in his first Sermon ? Discuss.
गौतम बुद्ध ने अपने प्रथम उपदेश में 'दुःख' को कैसे परिभाषित किया है ? विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Write an essay on Christianity in India.
भारत के ईसाई धर्म के बारे में एक निबन्ध लिखिए ।

OR / अथवा

Give a detailed account of the contribution of medieval Islam to the development of philosophical thought.
दर्शन के विकास में मध्यकालीन इस्लाम के योगदान का विस्तार से वर्णन कीजिए ।

OR / अथवा

Explain the mission of the creation of Khalsa by Guru Gobind Singh.
गुरु गोबिंद सिंह द्वारा खालसा की स्थापना के उद्देश्य की व्याख्या कीजिए ।

2. Discuss the eight kinds of marriages as found in ancient India.
प्राच्य भारत में पाये जाने वाले आठ प्रकार के विवाहों के सम्बन्ध में विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Write an essay on the role of Acharya Tulasi in Revival of Jainism in India.
भारत में जैन धर्म के पुनरुत्थान में आचार्य तुलसी की भूमिका पर एक निबन्ध लिखिए ।

OR / अथवा

Discuss the first split in the Buddhist order and explain the causes and effects thereof.
बौद्ध संघ में प्रथम विभेद का विवेचन कीजिए और उसके कारणों और प्रभावों की व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

Write an essay on the religious teachings of Jesus Christ.
ईसा मसीह के धार्मिक शिक्षा के बारे में एक निबन्ध लिखिए ।

OR / अथवा

Write an essay on ethical values of life in the light of the Quran and Sunnah.
कुरान और हदीस की रोशनी में जीवन की नैतिक मान्यताओं पर एक निबन्ध लिखिए ।

OR / अथवा

Elaborate the Sikh concept of Inter-faith understanding.
अन्तर्धर्म की समझ सम्बन्धी सिक्ख अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ।

SECTION – II

खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the **three** questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के **तीनों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I

ऐच्छिक – I

Hinduism

हिन्दू धर्म

3. Regarding the Social Reformation, explain the contribution of Sant Kabir.
समाज सुधार के सम्बन्ध में सन्त कबीर के योगदान की प्रस्तुति कीजिए ।
4. Elucidate the contribution of Arya Samaj towards the enhancement of women education.
स्त्री शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में आर्य समाज के योगदान की मीमांसा कीजिए ।
5. Mention the names of the six systems and describe their philosophical elements.
षड् दर्शन के नामों का उल्लेख करते हुए उनके दार्शनिक तत्त्वों का विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – II

ऐच्छिक – II

Jainism

जैन धर्म

3. Discuss in detail the life and teachings of the Tirthankar R̥ṣabhadeva.
तीर्थंकर ऋषभदेव के जीवन एवं उपदेशों पर विस्तार से प्रकाश डालिए ।

4. Throw light in brief on the life and works of Acharya Haribhadra Sūri.
आचार्य हरिभद्र सूरि के जीवन एवं कार्यों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए ।
5. What are the differences between Digamber and Śwetamber ? Discuss in detail.
दिगम्बर और श्वेताम्बर में क्या मतभेद हैं ? विस्तार से विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – III

ऐच्छिक – III

Buddhism

बौद्ध धर्म

3. Discuss the decline of Buddhism in the plains of India.
भारत के मैदानी भागों में बौद्ध धर्म के हास का विवेचन कीजिये ।
4. Write a note on the first three Buddhist Councils held in India.
भारत में प्रथम तीन बौद्ध संगीतियों पर एक टिप्पणी लिखिये ।
5. What do you know about the ‘Chaṭṭha Sangayāna’ held in Mandlay in 1953 ?
Discuss.
आप मांडले में 1953 में आयोजित ‘छट्टु संगायन’ के बारे में क्या जानते हैं ? विवेचन कीजिये ।

OR / अथवा

Elective – IV

ऐच्छिक – IV

Christianity

ईसाई धर्म

3. Explain the commandment of love found in the Bible.
बाइबिल में निहित प्रेम-विधान के बारे में व्याख्या कीजिए ।
4. Eucharist is the central celebration in Christianity. Discuss.
यूखरिस्त ईसाई धर्म का मुख्य समारोह है । स्पष्ट कीजिए ।
5. Explain the teachings of liberation or salvation in Christianity.
ईसाई धर्म के शिक्षानुसार मुक्ति या रक्षा के बारे में स्पष्ट कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – V

ऐच्छिक – V

Islam

इस्लाम धर्म

3. Give an account of the importance of the Hudaybiah Pact in the history of early Islam.
प्रारंभिक इस्लाम के इतिहास में हुदैविया पैक्ट के महत्त्व का उल्लेख कीजिये ।
4. Discuss the development of scientific knowledge under the Abbasids.
अब्बासी काल में वैज्ञानिक ज्ञान के विकास का विवेचन कीजिए ।
5. Write a note on the main achievements of Caliph ‘Umar Bin al-Khattab.
खलीफा उमर बिन अल-खत्ताब की उत्कृष्ट उपलब्धियों पर एक नोट लिखिए ।

OR / अथवा

Elective – VI

ऐच्छिक – VI

Sikhism

सिक्ख धर्म

3. Discuss the contribution of Guru Arjan towards the development of Sikhism.
गुरु अरजन के सिक्ख धर्म के विकास में योगदान के सम्बन्ध में प्रकाश डालिए ।
4. Comment upon the characteristics of Khalsa Code of Conduct.
खालसा की आचार संहिता की विशेषताओं के ऊपर टिप्पणी लिखिए ।
5. Describe the origin and role of Gurdwara in Sikhism.
सिक्ख धर्म में गुरुद्वारा के उद्भव एवं भूमिका की विवेचना कीजिए ।

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Describe the Philosophy of following hymn :

“Isāvasyamidam sarvam yatkinca Jagatyām Jagat
Ten tyakten bhunjīthā mā ḡrdhah kasyaswiddanam..”

निम्न मन्त्र में निहित दर्शन की विवेचना कीजिए :

“ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किंच जगत्यां जगत् ।

तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्यस्विद्धनम् ॥”

7. Who is Tirthankar ? Define.
तीर्थङ्कर कौन है ? व्याख्या कीजिए ।

8. Discuss King Asoka's role in the spread of Buddhism.
बौद्ध धर्म के विस्तार में सम्राट अशोक की भूमिका का विवेचन कीजिये ।

9. Explain the significance of the Cross in Christianity.
ईसाई धर्म में सलीब के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ।

10. Describe the main features of the Chishtiyya Sufi Order.
चिश्चिया सूफी ऑर्डर की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

11. Explain the Sikh concept of 'Kirat Karo, Naam Japo, Wand Chhako'.
सिक्ख धर्म में 'किरत करो, नाम जपो, वंड छको' की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।

13. Write a note on some of the approaches to the study of religions.
धर्म के अध्ययन विधियों पर टिप्पणी लिखिए ।

14. Write a note on social justice.
सामाजिक न्याय पर टिप्पणी लिखिए ।

SECTION – IV

खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है ।

(5 × 5 = 25 अंक)

We also listen to the faith of others, including the secularists. We listen first because, as this book opened by noting, our times require it. The community today can be no single tradition; it is the planet. Daily the world grows smaller, leaving understanding the only place where peace can find a home. We are not prepared for the annihilation of distance that science has effected. Who today stands ready to accept the solemn equality of peoples ? Who does not have to fight an unconscious tendency to equate foreign with inferior ? Some of us have survived this bloodiest of centuries; but if its ordeals are to be birth pangs rather than death throes, the century's scientific advances must be matched by comparable advances in human relations. Those who listens work for peace, a peace built not on ecclesiastical or political hegemonies but on understanding and mutual concern. For understanding, at least in realms as inherently noble as the great faiths of humankind, brings respect; and respect prepares the way for a higher power, love – the only power that can quench the flames of fear, suspicion, and prejudice, and provide the means by which the people of this small but precious Earth can become one to one another.

हम एक दूसरे की धर्म-आस्थाओं को भी सुनते हैं, यहाँ हममें सेकुलर लोग भी गिने जाते हैं । हम पहले सुनते हैं, जैसा कि पहले लिखा जा चुका है, क्योंकि यह हमारे समय की माँग है । लोगों के समुदाय आज एक ही धर्म-परंपरा के नहीं हैं । यह एक ग्रह है । प्रतिदिन विश्व छोटा होता जा रहा है, जहाँ समझ के द्वारा शान्ति अपना अड्डा बनाती है । विज्ञान से प्रभावित दूरी को हम नष्ट करने के लिये तैयार नहीं हैं । मानवों की शानदार समानता को कौन मानने को तैयार है ? आज किसको विदेशियों को निम्न समझने की अचेतन प्रवृत्ति से जूझना नहीं पड़ता ।

हम में से कुछ लोग इस सबसे अधिक रक्त-रंजित सदी से उबर पाये हैं; मगर इस कठिन परीक्षा जिसे जन्म-वेदना समझना चाहिये न कि मरण-पीड़ा (और उस परीक्षा के अभिप्राय से) इस सदी के वैज्ञानिक उन्नति के

समान मानव संबन्धों की प्रगति भी होनी चाहिये । जो धर्मों की बात सुनता है, वह शान्ति के लिये काम करता है, वह शान्ति धर्म-राजनीति या राजनैतिक संप्रभुता पर प्रतिष्ठित नहीं है, किन्तु समझ और पारम्परिक सरोकार पर है ; क्योंकि समझ कम से कम मानव की महान आस्थाओं में (जिनमें श्रेष्ठता निहित है) सम्मान लाती है और सम्मान श्रेष्ठ शक्ति अर्थात् प्रेम रास्ता बनाता है – वही शक्ति जो भय, सन्देह और पूर्वग्रह की अग्नि को शमन करती है, यह साधन प्रस्तुत करती है कि यह छोटी किन्तु बहुमूल्य धरती के लोग आपस में एक हो जायँ ।

15. Why should we listen to the faith of others ? Write.
हमें दूसरों के धर्मों की बात क्यों सुनना चाहिये ? लिखिये ।

16. Can a community today be a single tradition ? Comment.
क्या आज कोई जन-समुदाय एक परंपरावाला हो सकता है ? टिप्पणी कीजिये ।

17. Are people ready to accept the equality of peoples ? Discuss.
क्या लोग मानव की समानता को स्वीकार करने के लिये तैयार हैं ? विवेचन कीजिये ।

18. Peace is built on understanding and mutual concern. Comment.
शान्ति समझ और पारस्परिक सरोकार के आधार पर निर्मित होती है ? टिप्पणी कीजिए ।

19. Does understanding the great faiths of human kind being respect resulting in love ?
Comment.
क्या मानव समाज के महान् धर्मों की समझ सम्मान लाती है, जिसका परिणाम प्रेम में होता है ? टिप्पणी कीजिये ।

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation)

Date